रहस्य संदेश
पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र
एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजिय
26 : 05 : 2026 | वर्ष 20 अंक 136 | RNI-No. UP

सीएसए में छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ शुभारंभ

कानपुर अनवर अशरफ)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में छ:दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के नेतृत्व मे 25 मई से 30 मई तक 4 वर्ष से 12 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभ आरम्भ हुआ। यह छह दिवसीय शिविर 30 मई तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिसके अंतर्गत बच्चों को रचनात्मकता कहानी,डांस, एवं खेलों के माध्यम से पर्यावरण संबंधी विभिन्न क्रियाएं जैसे नेचर वॉक, रीसाइक्लिंग, वॉटर मैनेजमेंट, पशु पक्षियों के प्रति प्रेम, उनकी सुरक्षा, पौधे लगाना आदि क्रियाएं करवाई जाएंगी । जिससे कि बच्चे में पर्यावरण के महत्व को समझे एवं उनमें पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान देने की भावना जागृत हो। जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरण शपथ दिलाई गई तथा पर्यावरण गीत पर डांस कराया गया। पर्यावरण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए क्राफ्ट द्वारा इको वारियर बैज एवं सीड बॉल्स बनाए, साथ ही डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को सीड बॉल के प्रयोग एवं महत्त्व को बताते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा करके ही हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते है। अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन हेतु आशीर्वचन दिए। इस शिविर में विश्वविद्यालय कैंपस के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू , एवं विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ श्वेता के साथ एम. एस.सी एवं पी. एच डी. के छात्र / छात्राओं ब्रिज किशोर, इंदु, अंजली,आरती, निहारिका, वैष्णवी आदि ने अपना योगदान दिया ।

इलेक्ट्रिकल का असर ध्यान और कार्यशी

अमर उजाला 26/05/2026

सीएसए: छह दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू

शिविर में बच्चों को जागरूक करते सदस्य। स्रोत: सीएसए

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में सोमवार को छह दिवसीय निशुल्क ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। 25 से 30 मई तक चलने वाले शिविर में चार से 12 वर्ष तक के बच्चे शामिल होंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. मुक्ता गर्ग के नेतृत्व में आयोजित शिविर का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पहले दिन शिविर में 25 बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान बच्चों ने पर्यावरण गीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। सभी को नेचर वॉक, रीसाइक्लिंग, वाटर मैनेजमेंट, पौधरोपण और पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता जैसी गतिविधियां कराई गईं। बच्चों ने इको वॉरियर बैज और सीड बॉल्स भी तैयार किए। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 320 कानपुर, मंगलवार 26 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

छह दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभारंभ

कानपुर। सीएसए के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में छ्नदिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के नेतृत्व मे 25 मई से 30 मई तक 4 वर्ष से 12 वर्ष के बच्चों के लिए नि:शुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभ आरम्भ हुआ। यह छह दिवसीय शिविर 30 मई तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिसके अंतर्गत बच्चों को रचनात्मकता कहानी,डांस, एवं खेलों के माध्यम से पर्यावरण संबंधी विभिन्न क्रियाएं जैसे नेचर वॉक, रीसाइक्लिंग, वॉटर मैनेजमेंट, पशु पक्षियों के प्रति प्रेम, उनकी सुरक्षा, पौधे लगाना आदि क्रियाएं करवाई जाएंगी । जिससे कि बच्चे में पर्यावरण के महत्व को समझे एवं उनमें पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान देने की भावना जागृत हो। जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरण शपथ दिलाई गई तथा पर्यावरण गीत पर डांस कराया गया। पर्यावरण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए क्राफ्ट द्वारा इको वारियर बैज एवं सीड बॉल्स बनाए, साथ ही डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को सीड बॉल के प्रयोग एवं महत्त्व को बताते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा करके ही हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते है। अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन हेतु आशीर्वचन दिए। इस शिविर में विश्वविद्यालय कैंपस के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू , एवं विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ श्वेता के साथ एम. एस.सी एवं पी. एच डी. के छात्र / छात्राओं ब्रिज किशोर, इंदु, अंजली,आरती, निहारिका, वैष्णवी आदि ने अपना योगदान दिया ।

संपूर्ण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित

www.samarthsahara.com

samarthsaharabhopal@gmail.com

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	44.0	35.0
ग्वालियर	45.3	37.8
इंदौर	46.0	37.0
जबलपुर	47.0	38.0

पेट्रोलियम कीमत
पेट्रोल : 119.48 डीजल : 92.48

₹ कीमत
डालर : 93.06 यूरो : 99.19
सेंसेक्स : 74, 616 निफ्टी : 25, 814
सोना : 14, 6,983 चांदी : 2 42, 439

भोपाल

मंगलवार
26 मई 2026
वर्ष: 12, अंक: 387
कुल पृष्ठ: 8
मूल्य : 2.00

दैनिक समर्थ सहारा
सच को सच कहने का अदम्य साहस

छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभारंभ

कानपुर । सीएसए के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में छःदिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के नेतृत्व मे 25 मई से 30 मई तक 4 वर्ष से 12 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभ आरम्भ हुआ। यह छह दिवसीय शिविर 30 मई तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिसके अंतर्गत बच्चों को रचनात्मकता कहानी,डांस, एवं खेलों के माध्यम से पर्यावरण संबंधी विभिन्न क्रियाएं जैसे नेचर वॉक, रीसाइक्लिंग, वॉटर मैनेजमेंट, पशु पक्षियों के प्रति प्रेम, उनकी सुरक्षा, पौधे लगाना आदि क्रियाएं करवाई जाएंगी । जिससे कि बच्चे में पर्यावरण के महत्व को समझे एवं उनमें पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान देने की भावना जागृत हो। जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरण शपथ दिलाई गई तथा पर्यावरण गीत पर डांस कराया गया। पर्यावरण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए क्राफ्ट द्वारा इको वारियर बैज एवं सीड बॉल्स बनाए, साथ ही डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को सीड बॉल के प्रयोग एवं महत्त्व को बताते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा करके ही हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते है। अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन हेतु आशीर्वचन दिए। इस शिविर में विश्वविद्यालय कैंपस के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू , एवं विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ श्वेता के साथ एम. एस.सी एवं पी. एच डी. के छात्र / छात्राओं ब्रिज किशोर, इंदु, अंजली,आरती, निहारिका, वैष्णवी आदि ने अपना योगदान दिया ।

अमर भारती
एक उम्मीद
06 संस्करण
मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 26 मई 2026 शक सम्वत् 1948

छह दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर । सीएसए के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में छःदिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के नेतृत्व मे 25 मई से 30 मई तक 4 वर्ष से 12 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभ आरम्भ हुआ। यह छह दिवसीय शिविर 30 मई तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिसके अंतर्गत बच्चों को रचनात्मकता कहानी,डांस, एवं खेलों के माध्यम से पर्यावरण संबंधी विभिन्न क्रियाएं जैसे नेचर वॉक, रीसाइक्लिंग, वॉटर मैनेजमेंट, पशु पक्षियों के प्रति प्रेम, उनकी सुरक्षा, पौधे लगाना आदि क्रियाएं करवाई जाएंगी । जिससे कि बच्चे में पर्यावरण के महत्व को समझे एवं उनमें पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान देने की भावना जागृत हो। जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरण शपथ दिलाई गई तथा पर्यावरण गीत

पर डांस कराया गया। पर्यावरण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए क्राफ्ट द्वारा इको वारियर बैज एवं सीड बॉल्स बनाए, साथ ही डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को सीड बॉल के प्रयोग एवं महत्त्व को बताते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा करके ही हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते है। अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन हेतु आशीर्वचन दिए। इस शिविर में विश्वविद्यालय कैंपस के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू , एवं विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ श्वेता के साथ एम. एस.सी एवं पी. एच डी. के छात्र / छात्राओं ब्रिज किशोर, इंदु, अंजली,आरती, निहारिका, वैष्णवी आदि ने अपना योगदान दिया ।